Literacy for a Billion

Movie: Border
Year: 1997

Song: Ae Jate Hue Lamhon
Lyricist: Javed Akhtar

ए जाते हुए लमहों
ज़रा ठहरो ज़रा ठहरो

ए जाते हुए लमहों
ज़रा ठहरो ज़रा ठहरो
मैं भी तो चलता हूँ
ज़रा उनसे मिलता हूँ
जो इक बात दिल में है
उनसे कहूँ

तो चलूँ तो चलूँ
हूँ ...
तो चलूँ तो चलूँ
तो चलूँ

ए जाते हुए लमहों
ज़रा ठहरो ज़रा ठहरो

उनके चेहरे की ये नर्मियाँ
उनकी जुल्फ़ों की ये बदलियाँ
उनकी आँखों के रौशन दीये
उनके होंठों की ये सुर्ख़ियाँ

उनके चेहरे की ये नर्मियाँ
उनकी जुल्फ़ों की ये बदलियाँ
उनकी आँखों के रौशन दीये
उनके होंठों की ये सुर्ख़ियाँ

सब उनके हैं जलवे

मैं चलने से पहले
साँसों में आँखों में
ख़्वाबों में यादों में
और इस दिल में
उनको छुपा के रखूँ

तो चलूँ तो चलूँ
हूँ ...
तो चलूँ तो चलूँ
तो चलूँ

ए जाते हुए लमहों
ज़रा ठहरो ज़रा ठहरो

मैं कहीं भी रहूँ ए सनम
मुझको है ज़िन्दगी की क़सम
फ़ासले आते जाते रहें
प्यार लेकिन नहीं होगा कम

मैं कहीं भी रहूँ ए सनम
मुझको है ज़िन्दगी की क़सम
फ़ासले आते जाते रहें
प्यार लेकिन नहीं होगा कम

जिन्हें चाहूँ जिन्हें पूजूँ
उन्हें देखूँ उन्हें छू लूँ
ज़रा बातें तो कर लूँ
ज़रा बाँहों में भर लूँ
मैं इस चाँद से

माथे को चूम लूँ

तो चलूँ तो चलूँ
हूँ ...
तो चलूँ तो चलूँ
तो चलूँ

ए जाते हुए लमहों
ज़रा ठहरो ज़रा ठहरो

मैं भी तो चलता हूँ
ज़रा उनसे मिलता हूँ
जो इक बात दिल में है
उनसे कहूँ

तो चलूँ तो चलूँ
हूँ ...
तो चलूँ तो चलूँ
तो चलूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.